

[This question paper contains 8 printed pages.]

3426

Your Roll No.

LL.B. / I Term

BS

Paper LB-102 – PRINCIPLES OF CONTRACT

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

(Write your Roll No. on the top immediately
on receipt of this question paper.)

Note :- Answers may be written either in English or in
Hindi; but the same medium should be used
throughout the paper.

टिप्पणी :- इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए;
लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer any five questions.

All questions carry equal marks. Give reasons for
your answers, referring to appropriate statutory
provisions and judicial pronouncements.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। समुचित कानूनी उपबन्धों और
न्यायिक प्रख्यापनों को निर्दिष्ट करते हुए सकारण उत्तर दीजिए।

1. M/S. Global fashion (Pvt) Ltd. (hereinafter referred
as the company) advertised in several newspapers of
their latest invention for colouring white hair to black

P.T.O.

through a medicinal preparation to be taken orally thrice a day for a continuous period of forty days. To show their sincerity and effectiveness of their deny, the company also stated in the advertisement that a reward of Rs. 50,000 would be paid to anyone who would not get the result after using the said magic drug. Miss Anita purchased the drug and despite using the same as per the printed directions, found that the so-called magic drug was not at all effective. She comes to seek your expert opinion. Prepare a memorandum of opinion of your client, explaining whether she can claim the reward as stated above.

मैसर्स ग्लोबल फैशन (प्राइवेट) लिमिटेड (इसके पश्चात कम्पनी के रूप में निर्दिष्ट) ने एक औषधीय सम्पाक के जरिये सफेद बालों को काला रंगने के अपने नवीनतम आविष्कार का कई अखबारों में विज्ञापन दिया जिसका 40 दिन तक लगातार दिन में तीन बार मौखिक रूप से सेवन किया जाना था। कम्पनी ने अपनी सत्यनिष्ठा तथा अपनी औषधि की प्रभाविता दर्शाने के लिए विज्ञापन में यह भी उल्लेख किया कि उस व्यक्ति को 50000/- रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा जिसको उक्त जादुई औषधि का प्रयोग करने के बाद परिणाम प्राप्त नहीं होगा। कुमारी अनिता ने औषधि का क्रय किया और छपे अनुदेशों के अनुसार उसका सेवन करने के बावजूद पाया कि तथाकथित जादुई औषधि बिल्कुल भी प्रभावी नहीं थी। वह आपके पास आपकी विशेषज्ञ राय लेने के लिए आती है। अपने मुबकिकल के लिए एक राय-ज्ञापन यह स्पष्ट करते हुए तैयार कीजिए कि क्या वह यथा उपर्युक्त पुरस्कार का दावा कर सकती है।

2. Critically examine the rule of law laid down by the Supreme Court in *Bhagwandas Goverdhandas Kedia V. Girdharilal Parshottamdas & Co.*, A.I.R. 1966 S.C. 543 particularly with the reference to dissenting opinion.

उच्चतम न्यायालय द्वारा भगवान दास गोवर्धनदास केडिया बनाम गिरधारीलाल पुरुषोत्तम दास एंड कम्पनी ए आई आर 1966 एस सी 543 केस में अधिकथित विधि-सम्मत शासन की विसम्मत राय को विशेष रूप में निर्दिष्ट करते हुई समीक्षात्मक जांच कीजिए।

3. The management committee of 'Lord Ganesh Temple' Vikaspuri decided to construct a 'Yatri Niwas' for the devotees. It approached Dharmachand for subscription who promised to pay a sum of Rs. ten lakh for construction of the said building. Later on, Dharamchand declined to pay the promised amount as his supporters had not been inducted in the management committee. The committee try their best to persuade Dharamchand that it did not make any such promise that the said contribution is subject to his supporters being inducted in the Committee, but Dharamchand is adamant not to pay the amount. Suppose the Committee approaches you for legal advise. Advise, whether Dharamchand can be legally compelled to pay the above said promised amount.

'लॉर्ड गणेश टेम्पल' विकासपुरी की प्रबन्ध समिति ने भक्तों के लिए "यात्री निवास" का निर्माण करने का विनिश्चय किया। उसने अंशदान के लिए धर्मचन्द्र से सम्पर्क किया। उन्होंने उक्त भवन के निर्माण के लिए दस लाख रुपए की राशि देने का वचन दिया। बाद में धर्मचन्द्र ने वचन दी गई राशि को देने से मना कर दिया क्योंकि उसके समर्थकों को प्रबन्ध समिति में शामिल नहीं किया गया। समिति ने धर्मचन्द्र को यह समझाने का भरसक प्रयास किया कि उसने ऐसा कोई वायदा नहीं किया था कि उक्त अंशदान उसके समर्थकों को समिति में शामिल किए जाने की शर्त के अधीन है किन्तु धर्मचन्द्र राशि न देने पर अड़ा रहा। मान लो कि समिति विधिक सलाह के लिए आपसे सम्पर्क करती है। सलाह दीजिए कि क्या धर्मचन्द्र को वायदा की गई उक्त राशि अदा करने के लिए कानूनन विवश किया जा सकता है।

4. MB, a moneylender, lends Rs. 50,000 to a minor on the basis of a representation that he was of full age. Out of this amount Rs. 31,000 are spent by the minor for purchasing a two-wheeler scooter and Rs. 19,000 are spent on entertaining his friends in a Five-star Hotel. On minor's failure to pay back the borrowed amount, MB files a suit for recovery of Rs. 55,000 (inclusive of interest). The defendant pleads that the contract was absolutely void because of his minority.

Discuss whether :

- (a) The minor is estopped from pleading his minority.

(b) MB can seek the refund of money under section 64 or 65 of the Indian Contract Act, 1872.

(c) MB can at all seek some relief.

MB नामक साहूकार इस व्यपदेशन के आधार पर एक अवयस्क को 50000/- रुपए उधार दे देता है कि वह एक वयस्क व्यक्ति है। अवयस्क ने उक्त राशि में से 31000/- रुपए दुपहिया स्कूटर को खरीदने पर खर्च कर दिए तथा 19000/- रुपए एक फाइव स्टार होटल में अपने मित्रों के मनोरंजन पर खर्च कर दिए। उधार ली गई राशि को अवयस्क के वापस लौटाने में असफल रहने पर MB 55000/- (ब्याज सहित) रुपए की वसूली का वाद फाइल कर देता है। प्रतिवादी अभिवाक् करता है कि उसके अवयस्क रहने के कारण संविदा पूरी तरह शून्य था। विवेचन कीजिए कि क्या -

(क) अवयस्क अपनी अवयस्कता का अभिवाक् करने से विबन्धित है।

(ख) MB भारतीय संविदा अधिनियम की धारा 64 या 65 के अन्तर्गत उक्त राशि के प्रतिदाय की मांग कर सकता है।

(ग) MB कुछ अनुतोष की मांग ही कर सकता है।

5. Write short notes on any two of the following :

(a) Invitation to treat

(b) Privity of Contract

(c) Quasi-contracts

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए

(क) उपचार हेतु आमंत्रण

(ख) संविदा की पूर्विकता

(ग) संविदावत्

6. Discuss the essential ingredients of 'undue influence' and explain how the court should proceed in a case where there is allegation of 'undue influence'. Refer relevant case law.

“अनुचित प्रभाव” के आवश्यक तत्वों का विवेचन कीजिए तथा स्पष्ट कीजिए कि न्यायालय को उस मामले में किस प्रकार कार्यवाही करनी चाहिए जिसमें ‘अनुचित प्रभाव’ का अभिकथन किया गया है। सुसंगत निर्णय विधि को निर्दिष्ट कीजिए।

7. Ghaziabad Awas Nigam offered to sell specified plots to the intending purchasers at Rs. 9,400/- per sq mtr. out of the total cost, 10% was to be paid in advance as earnest money. Retish, an intending purchaser, paid the requisite advance to the Nigam in 1990. However, the entire land of the Nigam was requisitioned by the Government of India on December 23, 1991 for certain military purposes. On April 4, 1992 the Nigam informed Retish about the requisition of the land and further that the agreement having been rendered impossible

of performance, he treated as cancelled and the earnest money would be refunded in due course of time.

Retish insists that the Nigam must keep its promise and sell him the developed plot of land. He seeks your expert advice in this matter. Prepare a memorandum of opinion for Retish.

गाजियाबाद आवास निगम ने इच्छुक क्रेताओं को 9400/- रु० प्रति वर्गमीटर पर विनिर्दिष्ट भूखंड बेचने की प्रस्थापना की। कुल मूल्य में से 10% बयाना राशि के रूप में अग्रिम अदा किया जाना था। एक इच्छुक क्रेता रेतिश ने 1990 में निगम को अपेक्षित अग्रिम राशि अदा की थी। किन्तु निगम की सम्पूर्ण भूमि को भारत सरकार ने 23 दिसम्बर, 1991 को कतिपय सेना प्रयोजनों हेतु अधिग्रहीत कर लिया। 4 अप्रैल, 1992 को निगम ने रेतिश को भूमि के अधिग्रहण के बारे में सूचना दी तथा यह भी सूचित किया कि करारनामे को पालन हेतु असंभाव्य कर दिए जाने पर इसे रद्द हुआ माना जाए तथा बयाना राशि का यथासमय प्रतिदाय कर दिया जाएगा।

रेतिश ने निगम से आग्रह किया कि निगम को अपने वचन का पालन करना चाहिए तथा उसे विकसित भूखंड बेचना चाहिए इस मामले में वह आपकी विशेषज्ञ राय चाहता है। रेतिश के लिए राय-ज्ञापन तैयार कीजिए।

8. The consequences of breach of contract may be endless, but there must be an end to liability. The

defendant cannot be held liable for all that follows from his breach of contract.”

Discuss the principle ‘measure of damages’ in the light of the above statement.

“संविदा-भंग के परिणाम अनन्त हो सकते हैं किन्तु दायित्व का अन्त करना ही होगा। प्रतिवादी को संविदा भंग के बाद के सभी परिणामों के दायित्वाधीन नहीं किया जा सकता।” उपर्युक्त कथन को ध्यान में रखते हुए नुकसानी के माप के सिद्धान्त का विवेचन कीजिए।